>

Title: Need to provide employment to the families of the victims who dies in an accident at a railway crossing in Rai Bareilly on 25 January, 2009.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण निर्णय पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। मैं सदन का ध्यान दिनांक 25 जनवरी, 2009 को रायबरेली जनपद उत्तर प्रदेश ऊंचाहार रेलवे फाटक पर एक ट्रैक्टर ट्राली से रेल दुर्घटना की ओर आकर्षित करते हुए बताना चाहूंगा कि इस दुर्घटना में 12 लोगों की मौत हुई, जो सभी लोग मेरे संसदीय क्षेत्र बाराबंकी के निवासी थे। इसी दौरान 27 जनवरी, 2009 को लालगंज रेलवे कोच फैक्टरी के शिलान्यास के अवसर पर तत्कालीन रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद जी ने प्रत्येक मृतक परिवार को एक-एक लाख रुपए का चैक दिया था और यह भी घोषणा की थी कि प्रत्येक परिवार में से एक-एक व्यक्ति को चतुर्थ श्रेणी की नौकरी भी दी जाएगी। स्पष्ट घोषणा के बावजूद आज तक किसी भी परिवार को नौकरी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस अवसर पर तत्कालीन रेल मंत्री जी के साथ आरणीया सोनिया जी और राहुल गांधी जी इस आयोजन में उपस्थित थे। मेरे द्वारा इस संबंध में सदन में प्रश्न पूछा गया था, जिसके उत्तर में यह तो स्वीकार किया गया कि नौकरी देने की घोषणा की गई थी, लेकिन तकनीकी बहाना बता कर नौकरी देने से मना कर दिया गया। पिछले दिनों रेल दुर्घटना में प्रत्येक मृतक परिवार को पांच-पांच लाख रुपया और एक नौकरी देने की घोषणा माननीय रेल मंत्री जी ने की है। अगर पश्चिमी बंगाल में रेल दुर्घटना होती है और उत्तर प्रदेश में रेल दुर्घटना होती है, तो उसका मानक बराबर रहना चाहिए।...(व्यवधान) मेरा सदन के माध्यम से रेल मंत्री जी से निवेदन है कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मृतक के परिवार में एक व्यक्ति को जरूर नौकरी दी जाए।

श्री लालू प्रसाद (सारण): उपाध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लिया गया है और माननीय सदस्य जो बात कह रहे हैं, वह बिलकुल सही है। मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपया और नौकरी देने की घोषणा एक जनसभा में की थी। यह बात बिलकुल सत्य है और हमारे अधिकारी तथा पदाधिकारी सभी जनसभा में मौजूद थे। लेकिन अब हम कैसे जिम्मेवार हो सकते हैं, क्योंकि मैं अपने पद पर नहीं हूं।

13.00 hrs.

-